लोक लेखा समिति (PAC)

संदर्भ: *हाल ही में **लोक लेखा समिति** सेबी के अध्यक्ष के खिलाफ हिंडेनबर्ग के आरोपों से संबंधित राजनीतिक विवाद के मद्देनजर सेबी के प्रदर्शन का आकलन करेगी।*

➢ **अवलोकन:**
- सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच को जांच का तब सामना करना पड़ा, जब हिंडेनबर्ग ने आरोप लगाया कि ब्लैकस्टोन के साथ उनके पति की भूमिका है।

➢ **लोक लेखा समिति (पीएसी)**
- **यह 1921** में स्थापित हुई , जैसा कि पहली बार **भारत सरकार अधिनियम, 1919 (मोंटफोर्ड सुधार)** में उल्लेख किया गया था।
- यह सुनिश्चित करती है कि संसद द्वारा दी गई धनराशि का उपयोग मांगों के दायरे में किया जाए।
- **संसदीय समिति:** पीएसी , प्राक्कलन समिति और सार्वजनिक उपक्रम समिति के साथ संसद की **तीन प्रमुख वित्तीय समितियों में से एक है।**
- **मंत्री पीएसी के सदस्य नहीं हो सकते।**
- **लोक सभा** के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमों के **नियम 308** के अंतर्गत प्रतिवर्ष गठित किया जाता है ।

➢ **नियुक्ति:**
- **अध्यक्ष:** लोकसभा अध्यक्ष द्वारा नियुक्त।
- **प्रकृति:** सलाहकार निकाय, कार्यकारी निकाय नहीं।

➢ **सदस्य:**
- **संरचना:** 22 सदस्य (15 लोक सभा अध्यक्ष द्वारा निर्वाचित, 7 राज्य सभा सभापति द्वारा निर्वाचित)।
- **अवधि:** एक वर्ष।

➢ **कार्य:**
- **परीक्षण:** यह विनियोजन, वार्षिक वित्त लेखे और अन्य प्रासंगिक लेखों से संबंधित लेखों की समीक्षा करता है।
- **लेखापरीक्षा रिपोर्ट:** राजस्व प्राप्तियों और व्यय के विनियोजन और लेखापरीक्षा पर सीएजी की रिपोर्ट पर विचार करता है।
- **जांच: यह** वित्तीय प्रक्रियाओं में बचत और दोषों की जांच करता है।

संसदीय समितियों का महत्व:

➢ **मंच प्रदान करना:**
- **विशेषज्ञता:** विशेषज्ञों और सरकारी अधिकारियों के साथ जटिल मुद्दों पर विचार-विमर्श करना।
- **तकनीकी अंतर्दृष्टि:** जटिल मामलों की समझ को बढ़ाती है।

➢ **आम सहमति बनाना:**
- **अंतर-पक्षीय वार्ता:** बंद दरवाजे के पीछे बैठकों के माध्यम से समझौते को सुगम बनाना।
- **आम सहमति निर्माण:** सहयोगात्मक निर्णय लेने को बढ़ावा देता है।

➢ **नीतिगत मुद्दों की जांच करना:**
- **नीति समीक्षा:** नीतिगत मुद्दों की जांच और सिफारिशें करता है।

पूर्वी आर्थिक मंच

संदर्भ: *पूर्वी आर्थिक मंच में रूस ने हाल ही में रूस-यूक्रेन शांति वार्ता में मध्यस्थ के रूप में चीन, भारत और ब्राजील का नाम प्रस्तावित किया।*

➢ **अवलोकन:**
- **व्लादिवोस्तोक** में पूर्वी आर्थिक मंच में पुतिन ने रूस-यूक्रेन शांति वार्ता में संभावित मध्यस्थ के रूप में चीन, भारत और ब्राजील का नाम प्रस्तावित किया।
- उन्होंने सुझाव दिया कि शांति वार्ता के लिए स्विस शिखर सम्मेलन को नहीं, बल्कि अक्रियान्वित इस्तांबुल समझौते को आधार बनाया जाना चाहिए।

➢ **पूर्वी आर्थिक मंच (ईईएफ):**
- **2015 में प्रारंभ:** EEF की स्थापना रूस के सुदूर पूर्व (RFE) में विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए की गई थी।
- **समझौतों में वृद्धि:** समझौते 2017 में 217 से बढ़कर 2021 में 380 हो गए, जिनकी कुल राशि 3.6 ट्रिलियन रूबल है।
- **फोकस क्षेत्र:** फोरम बुनियादी ढांचे, परिवहन, खनिज, निर्माण, उद्योग और कृषि पर ध्यान केंद्रित करता है।

➢ **उद्देश्य:**
- **सामरिक विकास:** रूस का लक्ष्य एशियाई व्यापार मार्गों से जुड़ना तथा व्लादिवोस्तोक और खाबरोवस्क जैसे शहरों का आधुनिकीकरण करना है।
- **आर्थिक अस्तित्व:** इसका लक्ष्य चीन और अन्य एशियाई शक्तियों की सहायता से आर्थिक संकटों और प्रतिबंधों को कम करना है।

➢ **मुख्य भूमिका:**
- **चीन:** RFE में प्रमुख निवेशक, 90% निवेश का योगदान देता है। चीन का लक्ष्य RFE के माध्यम से अपने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) और पोलर सी रूट को आगे बढ़ाना है।
- **अन्य:** दक्षिण कोरिया, जापान और भारत भी महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं।

➢ **आरएफई का महत्व:**
- **संसाधन:** आरएफई मछली, तेल, गैस, लकड़ी, हीरे और खनिजों से समृद्ध है, जो रूस के सकल घरेलू उत्पाद में 5% का योगदान देता है।
- **जनसंख्या:** इस क्षेत्र की जनसंख्या विरल है तथा यह अधिक निवासियों और श्रमिकों को आकर्षित करना चाहता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- **भू-राजनीतिक स्थिति:** यह एशिया के लिए एक रणनीतिक प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है।

➤ **भारत के हित:**

- **विस्तार:** भारत आर.एफ.ई. में व्यापार, सम्पर्कता और निवेश को बढ़ाना चाहता है।
- **सहयोग के क्षेत्र:** भारत ऊर्जा, फार्मास्यूटिकल्स, समुद्री संपर्क, स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन और हीरा उद्योग में रुचि रखता है।
- **पिछला समर्थन:** भारत ने क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 2019 में 1 बिलियन अमरीकी डॉलर का ऋण देने की पेशकश की थी।

➤ **संतुलन कार्य:**

- **ईईएफ और आईपीईएफ:** भारत दोनों मंचों पर अपने हितों का प्रबंधन करता है, ईईएफ के प्रतिबंध-विरोधी रुख को ध्यान में रखते हुए अमेरिका के नेतृत्व वाले हिंद-प्रशांत आर्थिक ढांचे (आईपीईएफ) में भाग लेता है।
- **अंतर्राष्ट्रीय संबंध:** भारत ईईएफ में निवेश करता है और रूसी और पश्चिमी प्रभावों के बीच संतुलन बनाने के लिए आईपीईएफ के साथ जुड़ता है।
- **रणनीतिक स्थिति:** भारत, RCEP जैसे चीन के नेतृत्व वाले क्षेत्रीय समझौतों से बचते हुए, भारत-प्रशांत क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए IPEF का समर्थन करता है।

आरएफई (रूस का सुदूर पूर्व): आरएफई प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है और रूस के सकल घरेलू उत्पाद में 5% का योगदान देता है। यह एशिया के लिए एक रणनीतिक प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है। रूस का लक्ष्य इस क्षेत्र का आधुनिकीकरण करना, निवेश आकर्षित करना और एशियाई व्यापार मार्गों से जुड़ना है, जिसमें चीन से महत्वपूर्ण निवेश किया है और भारत जैसे देशों की इसमें रुचि है।

मूल्य स्थिरीकरण में सरकारी हस्तक्षेप

संदर्भ: *हाल ही में प्याज की बढ़ती कीमतों से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने हस्तक्षेप करते हुए 35 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से प्याज उपलब्ध कराया।*

➤ **अवलोकन:**

- प्याज की बढ़ती कीमतों से निपटने के लिए सरकार एनसीसीएफ और नैफेड के माध्यम से 35 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से प्याज बेच रही है।
- सरकार के पास 4.7 लाख टन का बफर स्टॉक है तथा वह मूल्य वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए मूल्य स्थिरीकरण कोष का उपयोग करती है।

➤ **सरकारी हस्तक्षेप क्या है?**

- सरकारी हस्तक्षेप से तात्पर्य सरकार द्वारा आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित करने या सीधे नियंत्रित करने के लिए की गई कार्रवाइयों से है, ताकि बाजार की विफलताओं को ठीक किया जा सके, अर्थव्यवस्था को स्थिर किया जा सके और संसाधनों का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित किया जा सके।

➤ **सरकारी हस्तक्षेप के प्रकार:**

- **मूल्य नियंत्रण:**
  - **मूल्य सीमा: यह** कीमतों को बहुत अधिक बढ़ने से रोकने के लिए अधिकतम मूल्य निर्धारित करना (जैसे, किराया नियंत्रण, आवश्यक वस्तुओं पर सीमा)।
  - **मूल्य न्यूनतम:** कीमतों को बहुत कम होने से रोकने के लिए निर्धारित न्यूनतम मूल्य निर्धारित करना (जैसे, न्यूनतम मजदूरी, कृषि के लिए समर्थन मूल्य)।
- **सब्सिडी:**
  - **उत्पादक सब्सिडी:** उत्पादन लागत को कम करने और उत्पादकों को समर्थन देने के लिए वित्तीय सहायता देना (जैसे, किसानों के लिए सब्सिडी, ऊर्जा सब्सिडी)।
  - **उपभोक्ता सब्सिडी:** उपभोक्ताओं के लिए आवश्यक वस्तुओं की लागत को कम करने के लिए प्रत्यक्ष भुगतान या छूट देना (जैसे, खाद्य सब्सिडी, ईंधन सब्सिडी)।
- **बफर स्टॉक:**
  - **भण्डारण:** कमी के समय बाजार में जारी करने के लिए वस्तुओं का अधिशेष संचय करना (जैसे, खाद्यान्न भंडार)।
  - **भंडारण प्रबंधन:** आपूर्ति को प्रबंधित करने और कीमतों को स्थिर करने के लिए वस्तुओं के भंडारण को विनियमित करना।
- **सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस):**
  - **राशनिंग:** सभी के लिए उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए रियायती दरों पर आवश्यक वस्तुओं का वितरण करना (जैसे, राशन की दुकानें, खाद्य वितरण कार्यक्रम)।
  - **लक्षित योजनाएँ:** विशिष्ट समूहों को लाभ प्रदान करना, जैसे निम्न आय वाले परिवार (जैसे, लक्षित खाद्य सहायता)।
- **विनियमन और लाइसेंसिंग:**
  - **व्यापार विनियमन:** घरेलू आपूर्ति और मूल्य स्थिरता (जैसे, आयात शुल्क, निर्यात प्रतिबंध) को प्रबंधित करने के लिए आयात और निर्यात को नियंत्रित करना।
  - **लाइसेंसिंग आवश्यकताएँ:** बाज़ार में प्रवेश और प्रतिस्पर्धा के लिए नियम निर्धारित करना (जैसे, व्यवसाय लाइसेंस, उद्योग विनियमन)।
- **मौद्रिक नीति:**
  - **ब्याज दरें:** आर्थिक गतिविधि और मुद्रास्फीति को प्रभावित करने के लिए ब्याज दरों को समायोजित करना (जैसे, केंद्रीय बैंक की दर में परिवर्तन)।
  - **मुद्रा आपूर्ति:** मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने और कीमतों को स्थिर करने के लिए अर्थव्यवस्था में मुद्रा की मात्रा का प्रबंधन करना।
- **राजकोषीय नीति:**
  - **सरकारी व्यय:** आर्थिक गतिविधि और स्थिरता को प्रभावित करने के लिए सार्वजनिक व्यय को समायोजित करना (जैसे, बुनियादी ढांचा परियोजनाएं, सामाजिक कार्यक्रम)।
  - **कराधान:** उपभोक्ता व्यवहार और आर्थिक स्थिरता को प्रभावित करने के लिए करों को लागू करना या समायोजित करना (जैसे, बिक्री कर, आयकर)।
- **बाज़ार हस्तक्षेप:**
  - **प्रत्यक्ष खरीद/बिक्री:** सरकार कीमतों को प्रभावित करने के लिए बाजार में वस्तुओं की खरीद या बिक्री करती है (जैसे, अधिशेष फसलों की खरीद, स्टॉक की बिक्री)।
  - **नियामक निकाय:** बाजार प्रथाओं की देखरेख करने और एकाधिकार को रोकने वाली संस्थाएं स्थापित की गई (जैसे, प्रतिस्पर्धा आयोग)।
- **अंतर्राष्ट्रीय समझौते:**
  - **व्यापार समझौते:** बाजार स्थिरता और मूल्य स्तरों को प्रबंधित करने के लिए व्यापार शर्तों पर बातचीत करना (जैसे, मुक्त व्यापार समझौते, व्यापार शुल्क)।

- **वैश्विक मूल्य स्थिरीकरण:** वस्तुओं की कीमतों को प्रबंधित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों में शामिल होना (उदाहरण के लिए, तेल उत्पादन पर ओपेक के निर्णय)।

- **उपभोक्ता संरक्षण कानून:**
  - **मुनाफाखोरी विरोधी उपाय:** अत्यधिक मूल्य निर्धारण और अनुचित व्यापार प्रथाओं (जैसे, मूल्य वृद्धि कानून) को रोकने के लिए कानून।
  - **गुणवत्ता मानक:** उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए उत्पाद सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करना (जैसे, खाद्य सुरक्षा विनियम, उत्पाद मानक)।

➢ **मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ):**

- **स्थापना:** कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग (डीएसीएंडएफडब्ल्यू) के तहत 2014-15 में स्थापित।
- 2016 में उपभोक्ता मामले विभाग (DOCA) को हस्तांतरित कर दिया गया।
- इसका उद्देश्य चयनित वस्तुओं के वितरण या खरीद को विनियमित करके, मूल्य अस्थिरता का प्रबंधन करके उनकी कीमतों को स्थिर करना है।

➢ **विनियमन और प्रबंधन:**

- **शासन:** मूल्य स्थिरीकरण कोष प्रबंधन समिति (पीएसएफएमसी) द्वारा केंद्रीय रूप से प्रबंधित किया जाता है, जो राज्य सरकारों और केंद्रीय एजेंसियों के प्रस्तावों को मंजूरी देती है।
- **संरक्षक:** लघु कृषक कृषि व्यवसाय कंसोर्टियम (एसएफएसी) पीएसएफ को केंद्रीय कोष के रूप में बनाए रखता है।

➢ **कार्य:**

- **मूल्य अस्थिरता नियंत्रण:** प्याज, आलू और दालों जैसी प्रमुख कृषि-बागवानी वस्तुओं की मूल्य अस्थिरता को नियंत्रित करता है।
- **कार्यशील पूंजी में सहायता:** बाजार हस्तक्षेप कार्यों के लिए केंद्रीय एजेंसियों और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों को ब्याज मुक्त अग्रिम प्रदान करता है।
- **खरीद और आयात:** यह किसानों या थोक मंडियों से घरेलू खरीद को समर्थन देता है और आयात को भी सुविधाजनक बना सकता है।
- **ऋण प्रावधान:** कार्यशील पूंजी और वस्तुओं की खरीद और वितरण से संबंधित व्यय को कवर करने के लिए ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करता है।

➢ **राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ):**

- **विवरण:** एनसीसीएफ एक सहकारी संगठन है जो पूरे भारत में उपभोक्ता सहकारी समितियों के साथ काम करता है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।
- **कार्य:** एनसीसीएफ वस्तुओं की खरीद, भंडारण और वितरण का काम संभालता है तथा कीमतों को स्थिर रखने और कमी के दौरान राहत प्रदान करने के लिए सरकारी योजनाओं को क्रियान्वित करता है।

➢ **राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड):**

- **विवरण:** NAFED एक सहकारी संघ है जो कृषि विपणन और सहकारी गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करता है। यह कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के अधीन काम करता है।
- **कार्य:** NAFED कृषि उपज की खरीद, भंडारण और वितरण में शामिल है। यह कुशल विपणन प्रथाओं के माध्यम से बाजार की कीमतों को स्थिर करने और किसानों को उचित लाभ सुनिश्चित करने के लिए काम करता है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

जल संचय जन भागीदारी

भारत के प्रधानमंत्री आज (6 सितंबर 2024) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुजरात के सूरत में 'जल संचय जन भागीदारी' पहल का शुभारंभ करेंगे।

जल संचय जन भागीदारी के बारे में:

- 'जल संचय जन भागीदारी' एक पहल है, जिसका उद्देश्य सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से जल संरक्षण और प्रबंधन को बढ़ाना है।
- यह पहल चल रहे जल शक्ति अभियान: कैच द रेन अभियान के साथ जुड़ी हुई है।
- इस कार्यक्रम के तहत, सक्रिय सामुदायिक भागीदारी के साथ पूरे गुजरात में लगभग 24,800 वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है।
- इन वर्षा जल संचयन संरचनाओं का उद्देश्य वर्षा जल संग्रह को बढ़ाना और क्षेत्र में दीर्घकालिक जल स्थिरता में योगदान देना है।
- यह पहल समुदाय द्वारा संचालित जल संरक्षण प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डालती है और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहलों की भागीदारी को प्रोत्साहित करती है।

नेशनल एग्जिट टेस्ट

हाल ही में, केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने घोषणा की कि आयुष के लिए नेशनल एग्जिट टेस्ट 2021-22 शैक्षणिक सत्र से नामांकित छात्रों पर लागू होगा।

नेशनल एग्जिट टेस्ट के बारे में:

- नेशनल एग्जिट टेस्ट (NExT) भारत में सभी MBBS (बैचलर ऑफ मेडिसिन, बैचलर ऑफ सर्जरी) छात्रों के लिए एक प्रस्तावित परीक्षा है, जो अपना अंतिम वर्ष पूरा करते हैं, जिसका उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा प्रणाली को मानकीकृत करना है।
- यह मौजूदा NEET-PG (स्नातकोत्तर चिकित्सा प्रवेश के लिए) और विदेशी चिकित्सा स्नातक परीक्षा (FMGE) की जगह लेगा।
- यह भारत में चिकित्सा का अभ्यास करने के लिए लाइसेंस परीक्षा और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा दोनों के रूप में कार्य करता है।
- सभी MBBS छात्र जिन्होंने राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) द्वारा मान्यता प्राप्त मेडिकल कॉलेज में अपना कोर्स पूरा किया है, वे NExT के लिए पात्र हैं।

- विदेशी चिकित्सा स्नातक (FMG) जो भारत में चिकित्सा का अभ्यास करना चाहते हैं, उन्हें भी NExT के माध्यम से अर्हता प्राप्त करनी होगी।
- NExT में दो भाग शामिल हैं, जिसमें NExT-1, अंतिम MBBS वर्ष के अंत में सैद्धांतिक ज्ञान का परीक्षण, और NExT-2, इंटर्नशिप के बाद व्यावहारिक कौशल और नैदानिक ज्ञान का आकलन शामिल है।
- NExT को राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (संशोधन) विधेयक, 2022 के तहत प्रस्तावित चिकित्सा विज्ञान में परीक्षा बोर्ड नामक एक स्वशासी निकाय द्वारा प्रशासित किया जाएगा।

BAE हॉक ट्रेनर विमान

हाल ही में, रॉयल सऊदी एयर फ़ोर्स की सऊदी फाल्कन्स एरोबैटिक टीम के BAE हॉक ट्रेनर विमान ने अलामीन में उद्घाटन मिस्र अंतर्राष्ट्रीय एयर शो में युद्धाभ्यास के दौरान धुआँ छोड़ा।

BAE हॉक ट्रेनर विमान के बारे में:

- BAE सिस्टम्स हॉक एक ब्रिटिश निर्मित, एकल इंजन वाला, जेट-संचालित विमान है जिसका उपयोग प्रशिक्षण और युद्ध के लिए किया जाता है।
- इसे दुनिया का अग्रणी सैन्य विमान प्रशिक्षक माना जाता है और इसका उपयोग रॉयल एयर फ़ोर्स और भारतीय वायु सेना सहित कई वायु सेनाओं द्वारा किया गया है।
- इसकी उन्नत एयरबोर्न सिमुलेशन तकनीक और कॉकपिट वातावरण पायलटों को टाइफून और एफ-35 जैसे फ्रंट लाइन विमानों के लिए तैयार करने में मदद करते हैं।
- इसका उपयोग निकट समर्थन, टोही, निगरानी और वायु रक्षा के लिए किया जा सकता है।
- भारतीय वायु सेना ने 2008 से हॉक एमके 132 का उपयोग किया है, जो इसे इसके प्रशिक्षण और परिचालन क्षमताओं का एक महत्वपूर्ण घटक बनाता है।

क्वांटम गुरुत्वाकर्षण

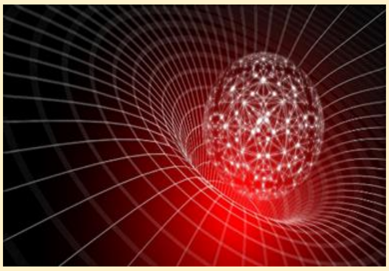

हाल ही में, भारतीय शोधकर्ताओं ने शास्त्रीय और क्वांटम गुरुत्वाकर्षण को एकीकृत करने के प्रयासों को आगे बढ़ाया है।

क्वांटम गुरुत्वाकर्षण के बारे में:

- क्वांटम गुरुत्वाकर्षण सैद्धांतिक भौतिकी का एक क्षेत्र है जिसका उद्देश्य क्वांटम यांत्रिकी का उपयोग करके गुरुत्वाकर्षण की व्याख्या करना है।
- यह उन स्थितियों में प्रासंगिक है जहाँ गुरुत्वाकर्षण और क्वांटम प्रभाव दोनों महत्वपूर्ण हैं, जैसे कि ब्लैक होल और न्यूट्रॉन सितारों के पास।
- क्वांटम यांत्रिकी छोटे कणों के व्यवहार का वर्णन करती है, जबकि सामान्य सापेक्षता बड़े पैमाने पर गुरुत्वाकर्षण का वर्णन करती है।
- क्वांटम गुरुत्वाकर्षण एक अधूरा सिद्धांत है जिसका उद्देश्य बलों, सामान्य सापेक्षता और क्वांटम यांत्रिकी को एकीकृत करना है।
- स्ट्रिंग सिद्धांत क्वांटम गुरुत्वाकर्षण का एक सिद्धांत है जो प्रकृति की सभी ज्ञात शक्तियों को एकीकृत करने का प्रयास करता है।

POINTS TO PONDER

- शोधकर्ताओं की एक टीम ने हाल ही में अंटार्कटिका के तट पर व्हेल की किस दुर्लभ प्रजाति की खोज की है? – **अर्नौक्स बीकड व्हेल**
- हाल ही में भारत के राष्ट्रपति ने किस कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के नए ध्वज और प्रतीक चिन्ह का अनावरण किया? – **जिला न्यायपालिका का राष्ट्रीय सम्मेलन**
- हाल ही में किस मंत्रालय ने ब्लॉकचेन-आधारित समाधानों की श्रृंखला के भाग के रूप में विश्वस्य-ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी स्टैक लॉन्च किया है? – **इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)**
- किस समुदाय ने हाल ही में नागालैंड सरकार से गूगल मैप्स पर मोन जिले और चराइदेव जिले के बीच सीमा रेखा के मुद्दे को हल करने का अनुरोध किया है? – **कोन्याक जनजाति/समुदाय**
- हाल ही में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री द्वारा नई दिल्ली में शुरू की गई योजना का नाम क्या है? – **एग्रीश्योर योजना (स्टार्ट-अप और ग्रामीण उद्यमों के लिए कृषि कोष)**

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com